Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ई-पाठशाला कार्यक्रम

Class 9th Geography

जलवायु CLIMATE

RAPID REVISION



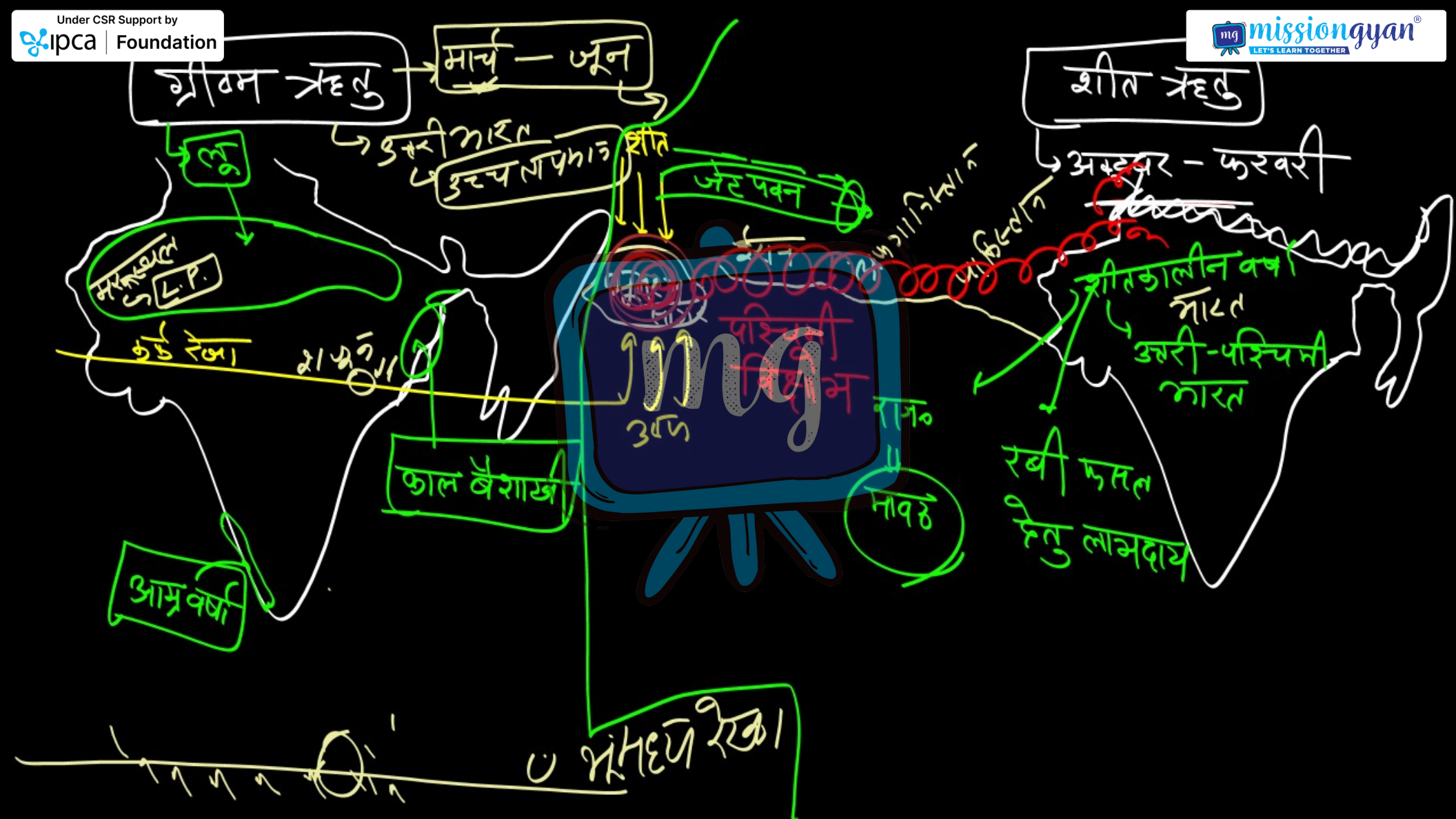
Under CSR Support by ipca Foundation

mg missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



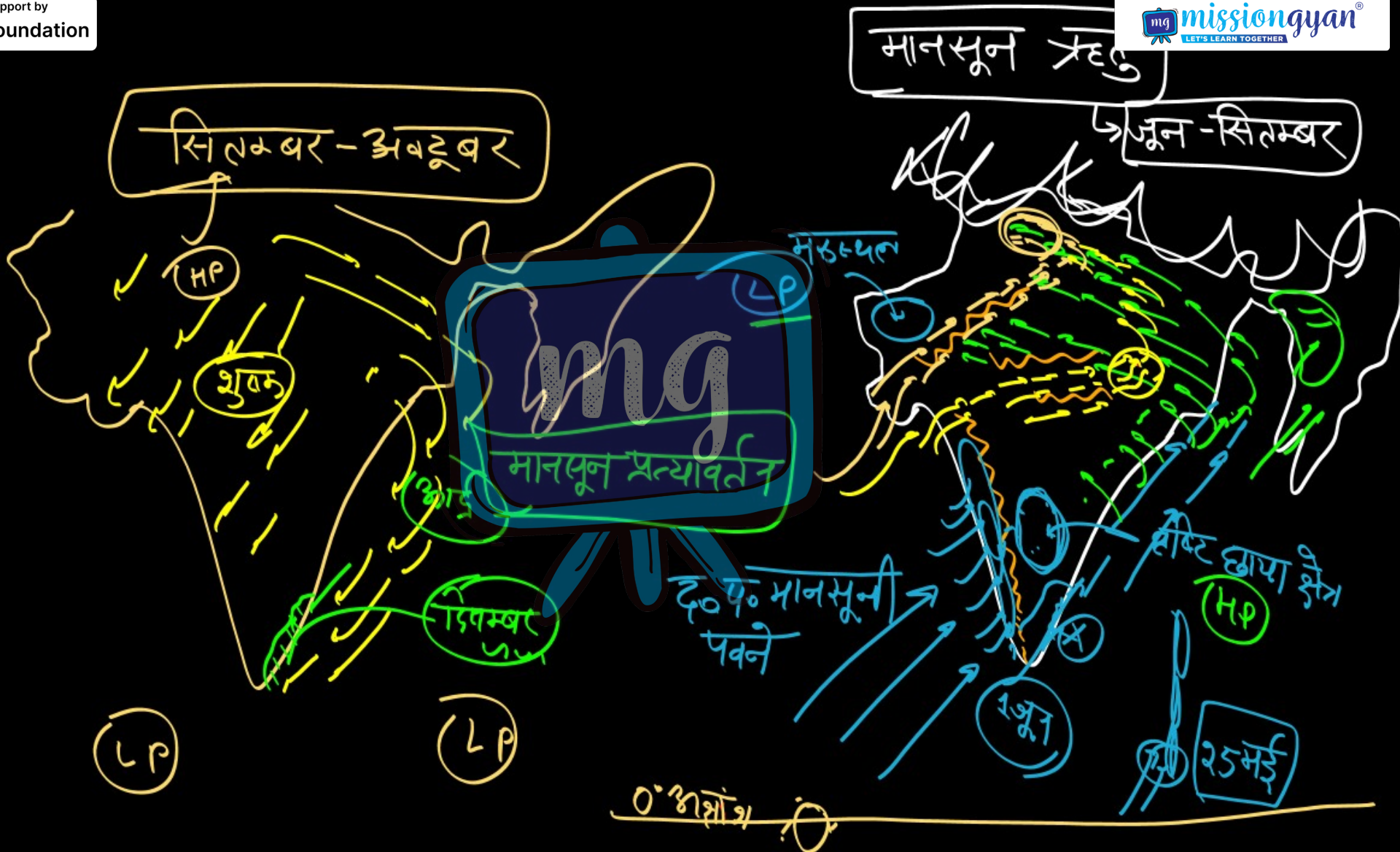
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



mg
मानसून प्रत्यावर्तन

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

Q.1 किसी विशाल क्षेत्र में लंबे समय तक मौसम की अवस्थाओं तथा विविधताओं के कुल योग को क्या कहा जाता है?

A वर्षण

B जलवायु

C वायुदाब

D आर्द्रता

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 निम्नलिखित में से कौन-सा जलवायु को नियंत्रित करने वाला कारक नहीं है?

A अक्षांश

B समुद्र से दूरी

C उच्चावच

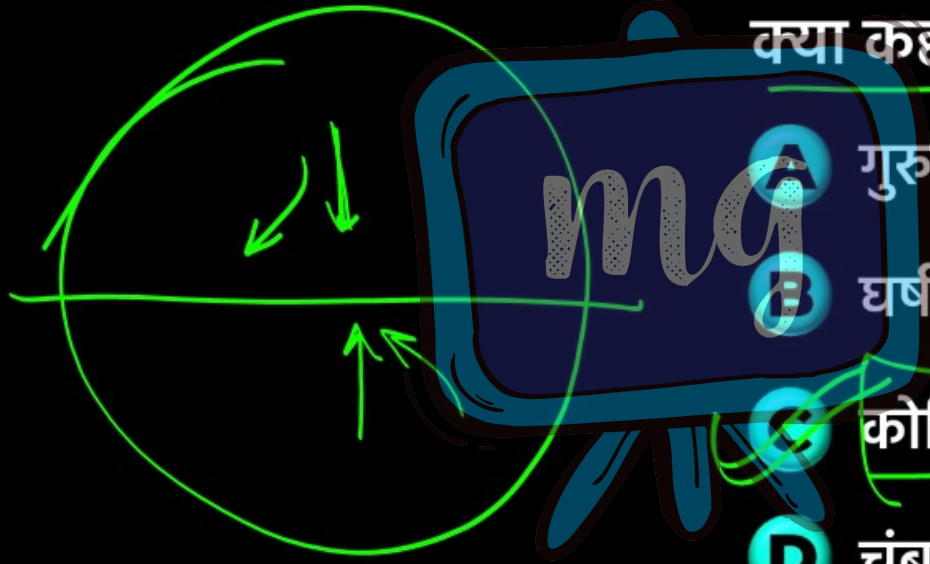
D जनसंख्या घनत्व

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 पृथ्वी के घूर्णन से उत्पन्न आभासी बल को क्या कहा जाता है?



A गुरुत्वाकर्षण बल

B घर्षण बल

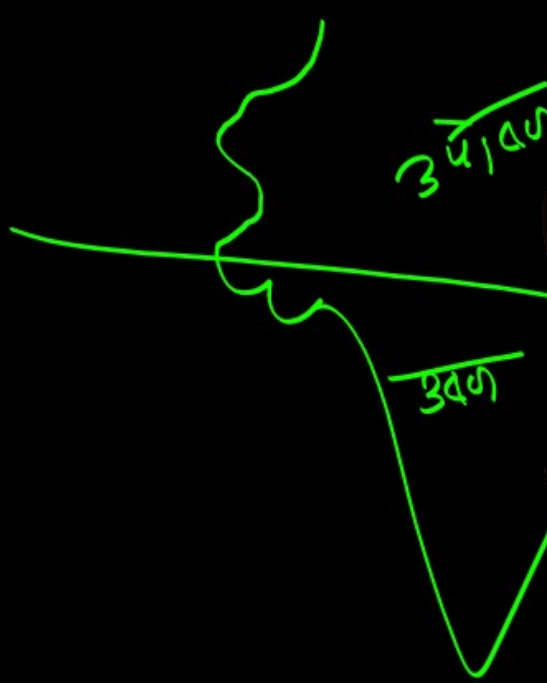
C कोरिऑलिस बल

D चुंबकीय बल

विक्षेपण बल

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु



Q.4 भारत की जलवायु में किस प्रकार की जलवायु की विशेषताएँ पाई जाती हैं?

A केवल ध्रुवीय

B केवल भूमध्यसागरीय

C उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय

D केवल टुंड्रा

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.5 भारत के उत्तर में स्थित कौन-सी पर्वत-व्यवस्था मध्य एशिया से आने वाली ठंडी हवाओं को रोकती है?

A अरावली

B हिमालय

C पश्चिमी घाट

D नीलगिरि

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

रिक्तस्थान-

Q.1 मानसून शब्द की व्युत्पत्ति अरबी शब्द मौसिम..... से हुई है।



missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 मौसम तथा जलवायु के तत्त्वों में तापमान, वायुमंडलीय दाब, पवन, आर्द्रता तथा वर्षण ..... शामिल हैं।

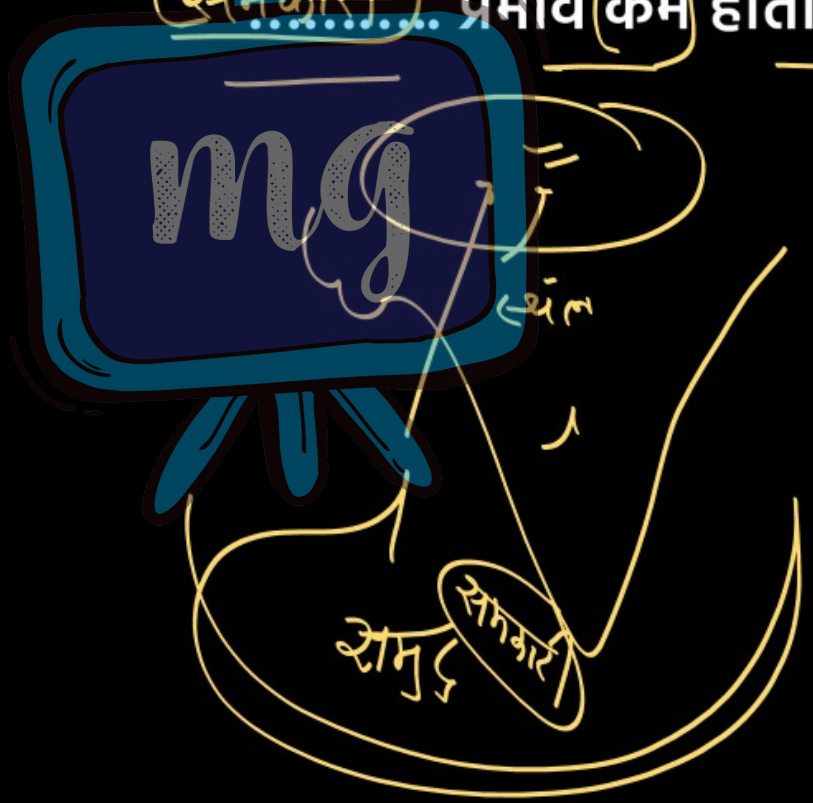


Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 समुद्र से दूर जाने पर जलवायु पर समुद्र का समकारी ..... प्रभाव कम होता जाता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.4 ग्रीष्म ऋतु में उत्तर भारत में चलने वाली गर्म एवं शुष्क हवाओं को ..लू.... कहा जाता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.5 मानसूनी वर्षा के दौरान बीच-बीच में होने वाले वर्षारहित अंतराल को वर्षा में ..... कहा जाता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.6 पश्चिम बंगाल में वैशाख के महीने में होने वाले स्थानीय तूफानों को ...नॉर्वेस्टर..... कहा जाता है।

(काल बैशाखी)



Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघुउत्तरीय प्रश्न-

Q.1 मौसम और जलवायु में क्या अंतर है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.1 मौसम और जलवायु में क्या अंतर है?

उत्तर :

- मौसम किसी विशेष समय में किसी क्षेत्र की वायुमंडलीय अवस्था है।
- जलवायु लंबे समय तक मौसम की अवस्थाओं और विविधताओं के औसत स्वरूप को दर्शाती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 भारत में दैनिक तापमान का अंतर किन क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है?



तापान्तर = (उच्च ताप) − (निम्न ताप)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 भारत में दैनिक तापमान का अंतर किन क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है?

उत्तर :

- आंतरिक क्षेत्रों, विशेषकर मरुस्थलीय भागों में दिन और रात के तापमान में अधिक अंतर पाया जाता है।
- तटीय क्षेत्रों में समुद्र के प्रभाव से यह अंतर कम रहता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 शीत ऋतु में उत्तर भारत की प्रमुख मौसमी विशेषताएँ क्या हैं?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 शीत ऋतु में उत्तर भारत की प्रमुख मौसमी विशेषताएँ क्या हैं?

उत्तर :

इस समय दिन अपेक्षाकृत गर्म और रातें ठंडी हो सकती हैं। उत्तर में पाला तथा हिमालय की ऊँची ढलानों पर हिमपात भी होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.4 पश्चिमी विक्षोभ क्या हैं?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.4 पश्चिमी विक्षोभ क्या हैं?

उत्तर :

ये भूमध्यसागर और पश्चिमी एशिया के ऊपर उत्पन्न होने वाली निम्नदाब प्रणालियाँ हैं, जो पश्चिमी पवनों के साथ भारत पहुँचकर शीतकालीन वर्षा कराती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.5 आम्र वर्षा का क्या महत्त्व है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.5 आम्र वर्षा का क्या महत्त्व है?

उत्तर :

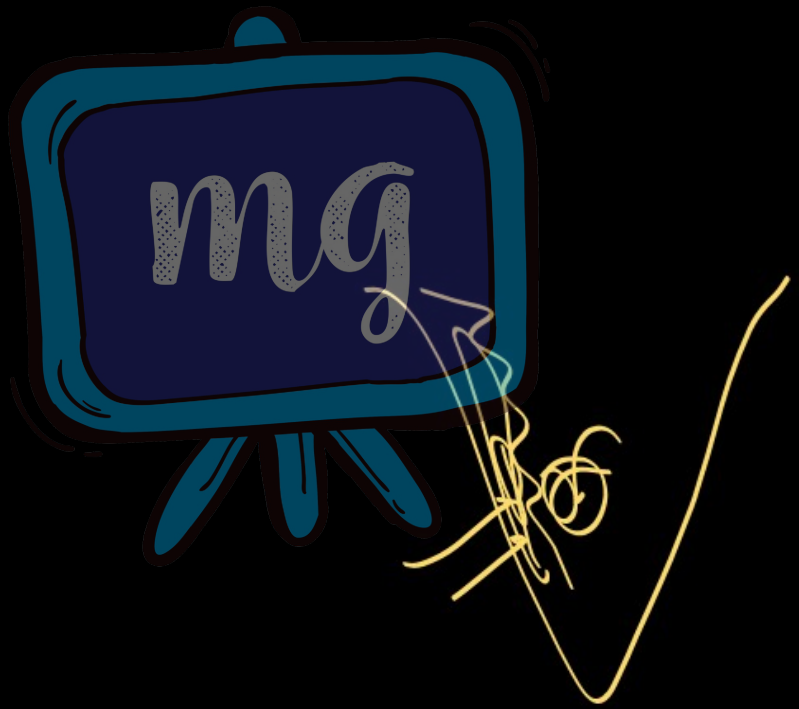
ग्रीष्म ऋतु के अंत में दक्षिण भारत के कुछ भागों में होने वाली पूर्व-मानसूनी वर्षा आम को जल्दी पकने में सहायता करती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.6 पर्वत वर्षा को किस प्रकार प्रभावित करते हैं?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.6 पर्वत वर्षा को किस प्रकार प्रभावित करते हैं?

उत्तर :

- पर्वत नम हवाओं को ऊपर उठने के लिए बाध्य कर सकते हैं, जिससे वर्षा होती है।
- इनके पवनविमुख ढाल अपेक्षाकृत शुष्क रह सकते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

Q.1 भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों का वर्णन कीजिए।



missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.1 भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

भारत की जलवायु को अक्षांश, ऊँचाई, वायुदाब एवं पवन प्रणाली, समुद्र से दूरी, महासागरीय धाराएँ तथा उच्चावच प्रभावित करते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- अक्षांश के कारण सौर ऊर्जा का वितरण बदलता है। सूर्यातप
- ऊँचाई बढ़ने पर तापमान घटता है।
- वायुदाब और पवनें वायु की दिशा तथा वर्षा को प्रभावित करती हैं।
- समुद्र से दूरी के कारण आंतरिक भागों में मौसमी अंतर अधिक हो सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- पर्वत नम हवाओं को रोककर वर्षा के वितरण में भी अंतर उत्पन्न करते हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 भारत में मानसूनी प्रकार की जलवायु क्यों पाई जाती है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 भारत में मानसूनी प्रकार की जलवायु क्यों पाई जाती है?

उत्तर :

भारत की जलवायु में मानसूनी विशेषताएँ मुख्यतः ऋतुओं के अनुसार पवनों की दिशा में परिवर्तन के कारण दिखाई देती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- स्थल और समुद्र के असमान ताप से वायुदाब की परिस्थितियाँ बदलती हैं।
- इन परिवर्तनों से पवनों का प्रवाह और नमी का परिवहन प्रभावित होता है।
- महासागरों से आने वाली नम हवाएँ वर्षा कराती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

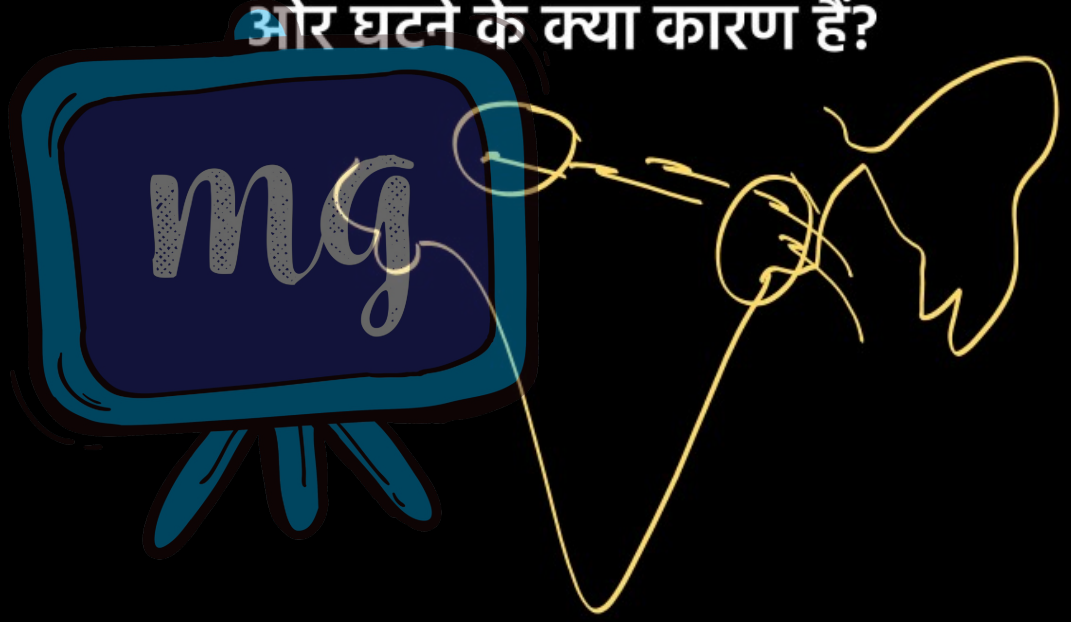
- पर्वतों की स्थिति और क्षेत्रीय उच्चावच भी वर्षा की मात्रा तथा वितरण को प्रभावित करते हैं।
- इस कारण देश के विभिन्न भागों में जलवायु की अलग-अलग विशेषताएँ दिखाई देती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 उत्तर भारत में वर्षा की मात्रा पूर्व से पश्चिम की ओर घटने के क्या कारण हैं?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 उत्तर भारत में वर्षा की मात्रा पूर्व से पश्चिम की ओर घटने के क्या कारण हैं?

उत्तर :

- उत्तर भारत के मैदानों में वर्षा का वितरण समान नहीं है।
- मानसूनी हवाएँ नमी लेकर आती हैं, लेकिन आगे बढ़ने के साथ उनकी नमी में कमी आती जाती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- इसलिए पूर्वी भागों की तुलना में पश्चिमी भागों में वर्षा कम होती है।
- पर्वतीय संरचना और पवनों की दिशा भी इस वितरण को प्रभावित करती हैं।
- इसी असमानता के कारण कुछ क्षेत्रों में बाढ़ की संभावना अधिक रहती है, जबकि कम वर्षा वाले क्षेत्रों में सूखे का खतरा बना रहता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.4 भारत में मानसून के आगमन से मौसम में क्या परिवर्तन होते हैं?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.4 भारत में मानसून के आगमन से मौसम में क्या परिवर्तन होते हैं?

उत्तर :

मानसून के आगमन के साथ देश की मौसमी परिस्थितियों में व्यापक बदलाव आता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- नमी से भरी हवाएँ वर्षा लाती हैं और पहले की गर्म तथा शुष्क परिस्थितियों में परिवर्तन होता है।
- पर्वतों के पवनाभिमुख भागों में भारी वर्षा हो सकती है, जबकि कुछ आंतरिक क्षेत्र वर्षाछाया में होने के कारण अपेक्षाकृत कम वर्षा प्राप्त करते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- वर्षा का स्थानिक वितरण मानसूनी गर्त की स्थिति से भी प्रभावित होता है।
- इस प्रकार मानसून देश के तापमान, आर्द्रता और कृषि संबंधी गतिविधियों पर प्रभाव डालता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.5 मानसून की अनिश्चितता भारतीय कृषि को किस प्रकार प्रभावित करती है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.5 मानसून की अनिश्चितता भारतीय कृषि को किस प्रकार प्रभावित करती है?

उत्तर :

- मानसूनी वर्षा की मात्रा, समय और वितरण में वर्ष-दर-वर्ष अंतर हो सकता है।
- कभी एक क्षेत्र में अत्यधिक वर्षा होती है, जबकि दूसरा क्षेत्र सूखे का सामना करता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- वर्षा के विराम और आगमन अथवा वापसी में अनियमितता कृषि गतिविधियों को प्रभावित करती है। अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में बाढ़ से फसलों और संपत्ति को नुकसान हो सकता है, जबकि कम वर्षा वाले क्षेत्रों में पानी की कमी रहती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- इसलिए मानसून की अनिश्चितता कृषि कार्यों की नियमितता के लिए चुनौती उत्पन्न करती है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.6 तमिलनाडु के तट पर शीत ऋतु में वर्षा क्यों होती है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.6 तमिलनाडु के तट पर शीत ऋतु में वर्षा क्यों होती है?

उत्तर :



- इस अवधि में उत्तर-पूर्वी व्यापारिक पवनें स्थल से समुद्र की ओर बहते हुए बंगाल की खाड़ी के ऊपर से गुज़रती हैं।
- वहाँ से नमी ग्रहण करने के बाद वे तमिलनाडु के तट की ओर पहुँचती हैं और वर्षा कराती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.7 पूर्वी तट के डेल्टा क्षेत्रों में चक्रवातों से अधिक नुकसान क्यों होता है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.7 पूर्वी तट के डेल्टा क्षेत्रों में चक्रवातों से अधिक नुकसान क्यों होता है?

उत्तर :

बंगाल की खाड़ी के ऊपर बनने वाले उष्णकटिबंधीय चक्रवात पूर्वी तट तक पहुँचकर तेज हवाएँ और भारी वर्षा ला सकते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- इससे निचले तटीय क्षेत्रों में बाढ़ आती है और जनजीवन तथा संपत्ति को व्यापक नुकसान पहुँच सकता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.8 कम वर्षा वाले क्षेत्रों में सूखे की आशंका अधिक क्यों रहती है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.8 कम वर्षा वाले क्षेत्रों में सूखे की आशंका अधिक क्यों रहती है?

उत्तर :

- कम वर्षा वाले क्षेत्रों में जल की उपलब्धता सीमित रहती है। यदि मानसूनी वर्षा सामान्य से कम हो या उसका वितरण अनियमित हो, तो कृषि और अन्य आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता।
- इससे सूखे की आशंका बढ़ जाती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

निबन्धात्मक प्रश्न

Q.1 भारत की जलवायु की क्षेत्रीय विविधताओं का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.1 भारत की जलवायु की क्षेत्रीय विविधताओं का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

उत्तर :

भारत की जलवायु में व्यापक क्षेत्रीय विविधताएँ पाई जाती हैं।

इनका प्रमुख कारण देश का विशाल विस्तार, भौगोलिक स्थिति, ऊँचाई, समुद्र से दूरी, पवन प्रणाली और पर्वतीय संरचना है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- तापमान तथा वर्षा के वितरण में ये अंतर स्पष्ट दिखाई देते हैं।
- ग्रीष्मकाल में राजस्थान के मरुस्थलीय भागों में अत्यधिक गर्मी पड़ती है, जबकि पर्वतीय क्षेत्रों में अपेक्षाकृत ठंडा मौसम बना रह सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- इसी प्रकार शीत ऋतु में उत्तरी आंतरिक क्षेत्रों की तुलना में दक्षिणी तटीय क्षेत्रों का तापमान अधिक सम रहता है।
- तटीय क्षेत्रों में समुद्र की उपस्थिति तापमान के उतार-चढ़ाव को सीमित करती है, जबकि आंतरिक भागों में महाद्वीपीय प्रभाव अधिक दिखाई देता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- वर्षा के वितरण में भी बहुत अंतर है।
- पूर्वोत्तर भारत तथा पश्चिमी तट के कुछ हिस्सों में भारी वर्षा होती है।
- इसके विपरीत पश्चिमी राजस्थान और कुछ अन्य आंतरिक क्षेत्रों में वर्षा बहुत कम होती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- पर्वतों के पवनाभिमुख ढालों पर नम हवाएँ ऊपर उठकर वर्षा करती हैं, जबकि पवनविमुख ढालों पर वर्षा अपेक्षाकृत कम हो सकती है।
- इन जलवायवीय भिन्नताओं का प्रभाव लोगों के दैनिक जीवन पर पड़ता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- भोजन, वस्त्र, मकानों की बनावट और कृषि संबंधी गतिविधियों में क्षेत्रीय अंतर दिखाई देते हैं।
- उदाहरण के लिए, अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में छतों की बनावट वर्षा के पानी को निकालने के अनुकूल होती है, जबकि शुष्क क्षेत्रों में मकानों की संरचना स्थानीय जलवायु के अनुसार विकसित होती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- इस प्रकार भारत की जलवायु में विविधता होने के बावजूद मानसूनी व्यवस्था देश के विभिन्न क्षेत्रों को एक साझा मौसमी चक्र से जोड़ती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 भारत में मानसूनी वर्षा की प्रक्रिया, विशेषताओं और उसके वितरण का विस्तार से वर्णन कीजिए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 भारत में मानसूनी वर्षा की प्रक्रिया, विशेषताओं और उसके वितरण का विस्तार से वर्णन कीजिए।

उत्तर :

भारत में मानसूनी वर्षा की प्रक्रिया वायुदाब तथा पवनों की मौसमी दिशा-परिवर्तन प्रणाली से जुड़ी है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

- स्थल और समुद्र के तापमान में अंतर के कारण वायुदाब की परिस्थितियाँ बदलती हैं। इससे महासागरों से नमी लेकर आने वाली हवाएँ भारतीय भूभाग की ओर प्रवाहित होती हैं और वर्षा कराती हैं।
- मानसूनी वर्षा की एक प्रमुख विशेषता उसका मौसमी संकेंद्रण है।

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- देश के अधिकांश भागों में वर्षा मुख्यतः वर्षा ऋतु के दौरान होती है।
- फिर भी सभी क्षेत्रों में वर्षा का समय और मात्रा समान नहीं रहती।
- कभी मानसूनी वर्षा लगातार होती है, तो कभी बीच में वर्षारहित अंतराल आ जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- इन विरामों का संबंध मानसूनी गर्त की स्थिति और उसकी गति से है।
- वर्षा का वितरण भौगोलिक परिस्थितियों से प्रभावित होता है।
- पश्चिमी तट और उत्तर-पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में अधिक वर्षा होती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- इसके विपरीत पश्चिमी राजस्थान तथा कुछ आंतरिक पठारी भाग कम वर्षा प्राप्त करते हैं।
- पर्वतों के कारण नम हवाओं का ऊपर उठना वर्षा को बढ़ा सकता है, जबकि पवनविमुख क्षेत्र वर्षाछाया की स्थिति में आ सकते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- मानसूनी वर्षा की अनिश्चितता भी महत्त्वपूर्ण है। इसकी मात्रा, आवृत्ति और समय में अंतर के कारण कुछ क्षेत्रों में बाढ़ तथा अन्य क्षेत्रों में सूखे की समस्या उत्पन्न हो सकती है।
- इससे कृषि गतिविधियों की नियमितता प्रभावित होती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जलवायु

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इस प्रकार मानसून केवल वर्षा कराने वाली पवन प्रणाली नहीं है, बल्कि भारतीय कृषि, जल उपलब्धता, प्राकृतिक वनस्पति और मानव जीवन की मौसमी लय से गहराई से जुड़ा हुआ है।